बेटियों की शिक्षा, संस्कार और आत्मनिर्भरता से सशक्त होगा राजस्थान : भजनलाल शर्मा

66 लाख विद्यार्थियों को 482 करोड़ रुपए की डीबीटी तथा 3.63 लाख बालिकाओं को 109 करोड़ रुपए के गार्गी पुरस्कार वितरित

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बेटियां समाज और राष्ट्र की शक्ति हैं। उन्हें शिक्षा, संस्कार, सम्मान और समान अवसर मिलने से परिवार और समाज दोनों प्रगति करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बेटी बचाओ, बेटी पढाओ अभियान से बालिका शिक्षा और सशक्तीकरण के प्रति सामाजिक सोच में सकारात्मक बदलाव आया है। राज्य सरकार भी बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आगे बढने के समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री मंगलवार को मानसरोवर स्थित आदर्श विद्या मंदिर में आयोजित प्रतिभा विकास शिविर समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति, ऋषि-मुनियों, संतों और महापुरुषों के जीवन मूल्यों एवं आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी है।

अधिकारों के साथ परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों को समझना भी आवश्यक है। शर्मा ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में बालिकाओं को समान अवसर, सुरक्षा और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने पर विशेष जोर दिया गया है। शिक्षा केवल परीक्षा में अंक प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व, विचार और संस्कार निर्माण का आधार है।

शिक्षा के लिए बड़े स्तर पर प्रयास

मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकारी विद्यालयों में कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों और कक्षा 9 से 12 तक की बालिकाओं को यूनिफॉर्म एवं स्कूल बैग के लिए 800 रुपए प्रति विद्यार्थी डीबीटी से दिए जा रहे हैं। अब तक 66 लाख विद्यार्थियों को 482 करोड़ रुपए हस्तांतरित किए जा चुके हैं। कक्षा 1 से 8 तक के करीब 41 लाख 56 हजार विद्यार्थियों को निशुल्क यूनिफॉर्म के लिए लगभग 250 करोड रुपए दिए गए हैं।

प्रदेश के 4 हजार से अधिक विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम और 500 पीएमश्री विद्यालयों में डिजिटल लाइब्रेरी विकसित की गई हैं। 20 हजार से अधिक विद्यालयों में 41 हजार से ज्यादा विज्ञान एवं गणित किट उपलब्ध करवाई गई हैं।

पिछले दो शैक्षिणक सत्रों में विद्यार्थियों को 8 करोड से अधिक पुस्तकें, 14 लाख साइकिलें और 88 हजार से अधिक टैबलेट निशुल्क दिए गए हैं। आरटीई के तहत 4 लाख 41 हजार विद्यार्थियों को निशुल्क प्रवेश मिला है।

गार्गी पुरस्कार योजना के तहत 3 लाख 63 हजार बालिकाओं को 109 करोड रुपए तथा बालिका प्रोत्साहन पुरस्कार योजना में 3 लाख से अधिक बालिकाओं को 158 करोड रुपए वितरित किए गए हैं।

पीएम पोषण योजना के तहत श्रीकृष्ण भोग कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसके माध्यम से भामाशाह, आमजन और शिक्षक विशेष अवसरों पर विद्यार्थियों को भोजन प्रायोजित कर सकते हैं।

4 हजार से अधिक सरकारी विद्यालयों में सेनेटरी पैड मशीनें भी लगाई गई हैं। वंचित एवं श्रमिक परिवारों के बच्चों के लिए राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल में ऑन डिमांड परीक्षा की व्यवस्था की गई है।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को मानसरोवर स्थित आदर्श विद्या मंदिर में आयोजित समारोह में बालिका शिक्षा के लिए राशि का चैक सौंपा।

- भारतीय संस्कृति, ऋषि-मुनियों, संतों और महापुरुषों के जीवन मूल्यों एवं आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी है : मुख्यमंत्री

20 लाख महिलाएं बनीं लखपति दीदी

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजीविका के माध्यम से प्रदेश में 25 लाख महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया है और 20 लाख से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। ड्रोन दीदी, बैंक दीदी, पशुपालक दीदी, कृषक दीदी और लाडो प्रोत्साहन योजना से महिलाओं एवं बालिकाओं का आर्थिक-सामाजिक सशक्तीकरण हो रहा है। उन्होंने बालिकाओं से स्वयं योजनाओं का लाभ लेने और कम से कम 10 अन्य महिलाओं को भी इनसे जोडने का आव्हान किया।

उन्होंने बताया कि सरकार ने युवाओं को 4 लाख सरकारी नौकरियां देने का संकल्प लिया है। अब तक 1 लाख 93 हजार नियुक्ति पत्र दिए जा चुके हैं और 1 लाख 18 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है। उनके अनुसार, अब तक 410 भर्ती परीक्षाएं आयोजित हुई हैं और इनमें कोई पेपर लीक नहीं हुआ। राइजिंग राजस्थान के तहत 35 लाख करोड रुपए के एमओयू में से करीब 9 लाख करोड रुपए के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतर चुके हैं। समारोह में नचिकेता गुरुकुल के पदाधिकारी और हजारों बालिकाएं उपस्थित रहीं।

राजस्थान की पीईकेबी कोयला खदान को मिला 5-स्टार रेटिंग अवार्ड



रायपुर में आयोजित समारोह में केन्द्रीय कोयला-खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे से राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के सीएमडी देवेंद्र श्रृंगी ने पीईकेबी खदान का अवार्ड ग्रहण किया।

जयपुर। राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम की छत्तीसगढ़ स्थित कोयला खदान परसा ईस्ट कांता बासान (पीईकेबी) ने वर्ष 2024-25 के दौरान उत्कृष्ट खनन कार्य, सुरक्षा मानकों, पर्यावरण संरक्षण एवं जनकल्याण के क्षेत्र में श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए प्रतिष्ठित 5 स्टार रेटिंग अवार्ड प्राप्त किया है। उत्पादन निगम की इस खदान से राज्य की 4340 मेगावाट क्षमता की तापीय विद्युत परियोजनाओं को कोयले की आपूर्ति की जाती है। यह अवार्ड देश की उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली ओपनकास्ट कोयला खदानों की श्रेणी में प्रदान किया गया है। केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चन्द्र दुबे से 2 नवंबर को रायपुर (छत्तीसगढ़) में आयोजित समारोह में राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक देवेंद्र श्रृंगी और पीकेसीएल के अधिकारियों ने यह प्रतिष्ठित अवार्ड ग्रहण किया। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि, यह उपलब्धि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर तथा ऊर्जा सचिव आरती डोगरा के कुशल मार्गदर्शन एवं प्रेरणादायी नेतृत्व के कारण सम्भव हो पाई है। राज्य सरकार के निरंतर मार्गदर्शन, उत्पादन निगम तथा पीकेसीएल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों और समर्पण के परिणामस्वरूप यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए कोयला खदान से जुड़े सभी अधिकारी-कर्मचारियों ने उच्चाधिकारियों ने बधाई दी।

युवा केवल भविष्य के नहीं, वर्तमान के भी राष्ट्र निर्माता : देवनानी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि युवा केवल भविष्य के नागरिक नहीं, बल्कि वर्तमान के राष्ट्र निर्माता हैं। भारत की वास्तविक शक्ति उसकी युवा आबादी में निहित है। करीब 140 करोड़ की जनसंख्या वाले देश में लगभग 60 करोड़ युवा हैं। उनकी आकांक्षाओं, अपेक्षाओं और विचारों को नीति निर्माण में उचित प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। देवनानी मंगलवार को राजस्थान विधानसभा सदन में 'सशक्त संवाद-समर्थ भविष्य' विषय पर आयोजित युवा संवाद को संबोधित कर रहे थे।

राष्ट्रमंडल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा की ओर से आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और संघ के सचिव संदीप शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। देवनानी की पहल पर विधानसभा सदन में शुरू हुआ यह छठा युवा संवाद था।

देवनानी ने कहा कि लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, लेकिन संवाद के माध्यम से सहमति तलाशना और मतभेदों का संवैधानिक एवं शांतिपूर्ण समाधान करना ही लोकतांत्रिक परिपक्वता है। उन्होंने कहा कि अराजकता से कोई राष्ट्र आगे नहीं बढ़ सकता। नेपाल और श्रीलंका के अनुभव बताते हैं कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती और संवैधानिक व्यवस्था का सम्मान ही प्रगति का आधार हैं।

विधानसभा अध्यक्ष ने सदन में डिजिटल व्यवस्था से विधायी कार्यों को अधिक प्रभावी और आधुनिक बनाने की जानकारी दी। उन्होंने युवाओं से किसी भी विषय पर राय बनाने से पहले उसका गहन अध्ययन करने और आलोचना के साथ रचनात्मक सुझाव देने का आव्हान किया। उन्होंने बताया कि पिछले करीब 25 वर्षों से जनता ने उन्हें विधानसभा में प्रतिनिधित्व का अवसर दिया है। अध्यक्ष के रूप में सदन की मर्यादा, समयबद्ध कार्यवाही और संसदीय परंपराओं का पालन सुनिश्चित करना उनका दायित्व है।



राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी

युवाओं के लिए विधानसभा के द्वार खुले : संदीप शर्मा

कार्यक्रम में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के सचिव संदीप शर्मा ने कहा कि विद्यार्थी जीवन सपने देखने, लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें हासिल करने के लिए परिश्रम करने का समय है। बड़े सपनों को साकार करने के लिए समर्पण, ईमानदारी, निरंतर मेहनत और सकारात्मक सोच जरूरी है। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने युवाओं के लिए सदन के द्वार खोलकर उन्हें बड़ा अवसर दिया है।

- राजस्थान विधानसभा में आयोजित छठवें युवा संवाद में 17 शैक्षिणक संस्थानों के 110 युवाओं ने दो सत्रों में विचार रखे

दो सत्रों में देश के 17 शैक्षिणक संस्थानों के करीब 110 युवाओं ने संवाद में भाग लिया। पहले सत्र में युवाओं के नेतृत्व वाले विरोध के कारणों और तौर-तरीकों पर चर्चा हुई। इसमें आर्थिक असुरक्षा, संस्थागत विफलता एवं दूरी, सामाजिक और लैंगिक असमानता तथा डिजिटल लामबंदी को प्रमुख कारण बताया गया।

दूसरे सत्र में युवाओं ने सड़कों से शासन नीति तक संस्थागत प्रतिक्रियाओं, लोकतांत्रिक लचीलेपन और युवा भागीदारी के उपाय सुझाए। इनमें पंचायत से राज्य स्तर तक युवा सलाहकार परिषदों का गठन, युवा प्रभाव मूल्यांकन, युवा शिकायत निवारण प्रणाली, भर्ती के लिए पारदर्शी कैलेंडर और समयबद्ध परिणाम सुनिश्चित करना शामिल रहा। सोशल मीडिया का नियमन युवाओं की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा करते हुए करने, हरित रोजगार, बेहतर मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं और लैंगिक समावेशी बाल संरक्षण को 24 महीनों में चरणबद्ध तरीके से लागू करने का प्रस्ताव भी रखा गया। इसके लिए पहले पायलट जिलों में शुरुआत और फिर हर साल सार्वजनिक रिपोर्ट जारी करने का सुझाव दिया गया।

विधानसभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा की मौजूदगी में विश्वम के संस्थापक विक्रान्त सिंह और बोर्ड सदस्य अनुज आहूजा ने बताया कि 'द आर्किटेक्चर ऑफ डिसेंट : ग्लोबल डायनामिक्स ऑफ यूथ-लेड मूवमेंट्स एंड इंस्टीट्यूशनल स्टेटक्राफ्ट' विषय पर यह संवाद हुआ।

इसमें आईआईएचएमआर विश्वविद्यालय, जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, जेईसीआरसी फाउंडेशन, आईआईएस विश्वविद्यालय, महर्षि अरविन्द विश्वविद्यालय, राजस्थान विश्वविद्यालय के पांच वर्षीय विधि महाविद्यालय, मणिपाल विश्वविद्यालय, एसएस जैन सुबोध पीजी कॉलेज, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, राजकीय महाविद्यालय जयपुर, निरमा विश्वविद्यालय, किरोड़ीमल कॉलेज दिल्ली, लेडी श्रीराम कॉलेज दिल्ली, एमएलएसयू उदयपुर, एमएनआईटी जयपुर, रामजस कॉलेज दिल्ली और श्री वेंकटेश्वर कॉलेज के विद्यार्थियों ने भाग लिया। युवाओं ने लोकतांत्रिक सहभागिता, नीति निर्माण में भूमिका और राष्ट्र के भविष्य से जुड़े विषयों पर विचार रखे।

एनसीआर के छह जिलों में केवल ग्रीन पटाखों की अनुमति

जयपुर। दीपावली पर वायु प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए राजस्थान सरकार ने एनसीआर क्षेत्र में पटाखों को लेकर सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। प्रदेश के अलवर, भरतपुर, दौसा, डीग, खैरथल-तिजारा और कोटपूतली-बहरोड़ जिलों में केवल सीएसआईआर-नीरी से प्रमाणित ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति होगी। यह छूट 7 और 8 नवंबर को सुबह 6 से 7 बजे तथा रात 8 से 10 बजे तक ही रहेगी। 6 नवंबर तक और 9 नवंबर से पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध लागू रहेगा।

पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की शासन सचिव शैलजा देवल के अनुसार अस्पतालों, स्वास्थ्य केंद्रों, वृद्धाश्रमों और शिक्षण संस्थानों के 300 मीटर दायरे में पटाखे चलाने पर रोक रहेगी। ग्रीन पटाखों की बिक्री केवल अधिकृत दुकानों पर होगी और प्रत्येक पैकेट पर उत्पाद-विशिष्ट क्यूआर कोड अनिवार्य रहेगा। ऑनलाइन बिक्री, बेरियम युक्त पटाखों और पटाखों की लड़ियों पर भी प्रतिबंध रहेगा। अवैध निर्माण, भंडारण और बिक्री रोकने के लिए विशेष गश्ती दल बनाए जाएंगे। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ जब्ती और कानूनी कार्रवाई होगी। प्रदूषण नियंत्रण मंडल सहित संबंधित एजेंसियां वायु गुणवत्ता की नियमित निगरानी करेंगी।

मृत कर्मचारी की पत्नी की जगह ससुराल पक्ष को पेंशन परिलाभ देने पर रोक

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने मृतक सरकारी कर्मचारी की पत्नी की जगह उसके ससुराल पक्ष को पेंशन परिलाभ भुगतान करने पर अंतरिम रोक लगा दी है। वहीं मामले में प्रमुख चिकित्सा सचिव, चिकित्सा निदेशक, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, टोंक सहित अन्य पक्षकारों से जवाब मांगा है। अदालत ने इन अधिकारियों से 23 नवंबर तब जवाब पेश करने को है। जस्टिस अनूप कुमार ने यह आदेश रेखा चौधरी की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता लक्ष्मीकांत शर्मा ने बताया कि याचिकाकर्ता का उसके पति डॉ. सुरजीत सिंह गंगवाल से पारिवारिक विवाद चल रहा था और साथ ही टोंक की जिला कोर्ट में साल 2024 से उनका विवाह विच्छेद प्रार्थना पत्र भी लंबित था। इस दौरान ही उसके पति का गत 2 मई को निधन हो गया। याचिकाकर्ता के एक बेटा व बेटी है। उसके ससुराल वालों ने मृत कार्मिकों के परिजनों को मिलने वाले पेंशन सहित अन्य परिलाभों के लिए चिकित्सा विभाग में दावा कर रखा है। वे इस राशि के भुगतान को प्राप्त करना चाह रहे हैं, जबकि उसके पति की मृत्यु से पूर्व उसे और उसकी बेटी को भरण-पोषण के लिए 12 हजार रुपए मिल रहे थे। उसके पति के निधन के बाद यह राशि उन्हें मिलना बंद हो गई। उसके ससुर रिटायर सरकारी कार्मिक हैं। ऐसे में उसे पति के सभी परिलाभ व अनुकंपा नियुक्ति दिलवाई जाए, ताकि वह अपने बच्चों की परवरिश सही तरीके से कर सके। अदालत ने मामले में सुनवाई करते हुए संबंधित पक्षकारों से जवाब मांगते हुए किसी अन्य को पेंशन परिलाभ राशि नहीं देने का निर्देश दिया।

मिलावटखोरों पर नकेल कसने के लिए "सरस" कसेगी मोबाइल लैब

जयपुर। जयपुर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड (जयपुर डेयरी) ने दुग्ध गुणवत्ता को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सुनिश्चित करने के लिए एक बेहद अभिनव और आधुनिक पहल की शुरुआत की है। डेयरी द्वारा शुरू की गई "सरस चल (मोबाइल) प्रयोगशाला" अब सीधे ग्रामीण क्षेत्रों में दुग्ध सहकारी समितियों तक पहुंचकर मौके पर ही दूध के नमूनों की सटीक जांच कर रही है। पशुपालन, डेयरी एवं गोपालन विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि इस मोबाइल प्रयोगशाला की सबसे बड़ी ताकत इसमें स्थापित अत्याधुनिक मशीन है। डेनमार्क से आयातित यह मशीन एफ.टी.आई.आर. तकनीक पर आधारित है। इस तकनीक की खासियत यह है कि यह महज एक ही टेस्ट में दूध के 24 अलग-अलग मानकों की बारीकी से जांच कर देती है।

रोशनी और राजस्थानी विरासत के रंगों से सजेगी गुलाबी नगरी की दीपावली



दीपोत्सव के तहत राजधानी जयपुर के मुख्य सीकर रोड और बाजारों में व्यापार मंडल ने रंग बिरंगी लाईटों से सजावट की।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। दीपावली का पर्व नजदीक आते ही गुलाबी नगरी में उत्सव की रौनक बढ़ने लगी है। शहर के प्रमुख बाजारों में सजावट की तैयारियां शुरू हो गई हैं। कहीं रंग-बिरंगी विद्युत रोशनी लगाई जा रही है तो कहीं आकर्षक स्वागत द्वार और धार्मिक झांकियां तैयार की जा रही हैं। इस बार जयपुर की दीपावली में राजस्थानी संस्कृति, धार्मिक आस्था और ऐतिहासिक विरासत का संगम देखने को मिलेगा। बाजारों के साथ प्रमुख मंदिरों में भी विशेष सजावट, दीपदान, पूजा-अर्चना और आरती के आयोजन होंगे।

जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल ने बताया कि चारदीवारी के ऐतिहासिक बाजारों में दीपावली की तैयारियां जोर पकड़ रही हैं। जौहरी बाजार, बापू बाजार, त्रिपोलिया बाजार, किशनपोल बाजार, चांदपोल बाजार और चौड़ा रास्ता में आकर्षक विद्युत सजावट की जाएगी।

रंग-बिरंगी रोशनी के साथ विशेष सजावटी द्वार बनाए जाएंगे। दुकानों पर मिट्टी के दीपक, सजावटी सामान, रंगोली, आभूषण, कपड़े और उपहारों की नई रेंज सजने लगी है। शाम होते ही बाजारों में रौनक बढ़ रही है और खरीदारी के लिए लोगों की आवाजाही तेज होने लगी है। गणगौरी बाजार में हवा महल और जंतर-मंतर की झलक दिखाने वाली विरासत आधारित सजावट होगी। छोटी चौपड़ पर 42 फीट चौड़ी और 36 फीट ऊंची राम मंदिर की आकर्षक झांकी तैयार की जाएगी। इसमें रामसेतु निर्माण का दृश्य भी प्रदर्शित होगा, जो लोगों के लिए विशेष आकर्षण रहेगा।

दीपावली की सजावट से जयपुर के व्यापार और पर्यटन को भी नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद है। प्रमुख बाजारों में स्थानीय लोगों के साथ देशी-विदेशी पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने की संभावना है। सेंट्रल स्पाइन क्षेत्र में 51 सजावटी स्वागत द्वार बनाने और दीपावली कार्निवल आयोजित करने की योजना है। वहीं, बाजारों में साफ-सफाई, यातायात नियंत्रण, पार्किंग और अग्निशमन सुरक्षा को लेकर भी विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

जयपुर में 12 दिन सजेगी दिवाली की रौनक; ड्रोन शो और आतिशबाजी भी होगी

नगर निगम ने "दिवाली खुशियों वाली" आयोजन में 150 वार्डों के बीच प्रतियोगिता रखी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। गुलाबी नगरी की दिवाली को स्वच्छ, सुरक्षित और आकर्षक बनाने के लिए नगर निगम की ओर से 'दिवाली खुशियों वाली-2026' का आयोजन किया जा रहा है। 31 अक्टूबर से 11 नवंबर तक चलने वाले इस 12 दिवसीय आयोजन में ड्रोन शो, आतिशबाजी, सफाई अभियान और विभिन्न सजावट प्रतियोगिताएं प्रमुख आकर्षण होंगे।

- शीर्ष 10 वार्डों को मिलेंगे 1.80 करोड़ रुपए के अतिरिक्त विकास कार्य; छह श्रेणियों में सजावट प्रतियोगिताएं जीतने वालों को मिलेंगे पुरस्कार

महापौर सुनील कोठारी ने मंगलवार को नगर निगम मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में आयोजन की घोषणा करते हुए बताया कि वार्ड स्तरीय प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले शीर्ष 10 वार्डों को कुल 1.80 करोड़ रुपए के अतिरिक्त विकास कार्य दिए जाएंगे। प्रथम वार्ड को 51 लाख, द्वितीय को 31 लाख, तृतीय को 21 लाख और चौथे से दसवें स्थान तक के सात वार्डों को 11-11 लाख रुपए के विकास कार्य मिलेंगे।

उपमहापौर सरोज कंवर ने सभी 150 वार्डों के पार्षदों से प्रतियोगिता में भाग लेने की अपील की। आयुक्त ओम कसेरा ने सफाई, सुरक्षा और ऑनलाइन प्रविष्टियों की व्यवस्थाओं की जानकारी दी।



जयपुर के महापौर सुनील कोठारी, उपमहापौर सरोज कंवर और आयुक्त ओम प्रकाश कसेरा मंगलवार को पत्रकारों से रूबरू हुए।

ड्रोन शो और आतिशबाजी होंगे आकर्षण

आयोजन के तहत 5 नवंबर को सफाई सेवा मैराथन-2.0 होगी, जिसमें सफाई कर्मचारी, पार्षद और नागरिक श्रमदान करेंगे। सात नवंबर को रात 9 बजे विधानसभा में ड्रोन शो होगा। वहीं 8 नवंबर को रात 9:30 बजे विधानसभा में आतिशबाजी की जाएगी। इसी दिन शहर के घरों, बाजारों, गलियों और स्मारकों को मिट्टी के दीयों, रंगोली, फूलों, गेंदे के तोरण और कंदील से सजाया जाएगा। इससे पहले 31 अक्टूबर को सभी 150 वार्डों के 13 जोन में ऑपरेशन क्लीन स्वीप-2.0 के तहत मुख्य बाजारों, सड़कों और सार्वजनिक स्थलों पर सफाई अभियान चलाया गया।

छह श्रेणियों में होगी सजावट प्रतियोगिता

4 से 11 नवंबर तक सात प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। इनमें एक वार्ड स्तरीय और छह सजावट प्रतियोगिताएं शामिल हैं। सजावट प्रतियोगिताओं में आवासीय पारंपरिक सजावट, आवासीय आधुनिक सजावट, व्यावसायिक प्रतिष्ठान, संस्थागत प्रतिष्ठान, हेरिटेज क्षेत्र के बाजार और अन्य बाजार श्रेणी रखी गई हैं। पारंपरिक सजावट में रंगोली, मांडना, गोबर कला और पुष्प सजावट को शामिल किया गया है, जबकि आधुनिक श्रेणी में रोशनी और एलईडी सजावट का मूल्यांकन होगा। आवासीय श्रेणियों के विजेताओं को इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन, एलईडी टीवी और स्मार्टफोन दिए जाएंगे। व्यावसायिक, संस्थागत और बाजार श्रेणियों के विजेताओं को प्रशंसा स्मृति चिह्न एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे।

ऑनलाइन पोर्टल पर 11 नवंबर तक प्रविष्टियां

आयुक्त ओम प्रकाश कसेरा ने बताया कि, प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए 6 से 11 नवंबर तक "जयपुर दिवाली डॉट कॉम" पर ऑनलाइन पंजीकरण और प्रविष्टियां जमा की जा सकेंगी। प्रतिभागियों को मोबाइल नंबर से पंजीकरण कर श्रेणी चुननी होगी और पोर्टल के माध्यम से लाइव फोटो अपलोड करनी होगी। निर्णायक मंडल निर्धारित मापदंडों के आधार पर मूल्यांकन करेगा। एआई से बनाई या संपादित की गई तस्वीरें मान्य नहीं होंगी। महापौर सुनील कोठारी ने कहा कि दिवाली का आयोजन केवल नगर निगम का नहीं, बल्कि पूरे शहर का उत्सव है। इसमें प्रत्येक नागरिक, व्यापारी और संस्थान की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने शहरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में प्रतियोगिताओं में शामिल होने की अपील की। प्रेस वार्ता के बाद नगर निगम परिसर में दीपावली स्नेह मिलन समारोह भी आयोजित किया गया, जिसमें महापौर सुनील कोठारी, उपमहापौर सरोज कंवर और आयुक्त ओम प्रकाश कसेरा ने मीडिया प्रतिनिधियों को शुभकामनाएं दीं।